हरिभूमि
महासमुंद भूमि
रायपुर, मंगलवार 7 जुलाई 2026

मानसून: जिले में तीन दिनों में 930.5 मिमी बारिश, खेत-खलिहान पानी से सराबोर, आम जनजीवन प्रभावित

लगातार बारिश से नदी-नाले उफान पर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महासमुंद

- जिले के सबसे वृहद जलाशय कोडार बांध में हुआ 17 फीट पानी का भराव

मानसूनी बारिश की शुरुआत पिछले गुरूवार दोपहर से शुरू हुई। जो 5 दिन बाद आज भी जारी है। लगातार हो रही बारिश से खेत लबालब हो गए हैं वहीं महानदी का जलस्तर भी लगातार बढ़ने लगा है। बीते तीन दिनों में ही जिले में 930.5 मिमी बारिश हो चुकी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटों में प्रदेश के लगभग 12 जिलों में अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। मालूम हो कि इस मानसून में जून के आखिरी पखवाड़े में कई बार बादल छाए पर और बिना बरसात के ही लौट गए। 2 जुलाई की दोपहर से शुरू हुई रिमझिम फुहार शाम तक झमाझम बारिश में बदल गई जो आज भी लगातार जारी है। भू-अभिलेख शाखा से मिली जानकारी के अनुसार जिलेभर में 1 जून के बाद से 3 जून तक 720.8 मिमी बारिश हुई थी जो पिछले तीन दिनों में ही बढ़कर 1651.3 मिमी हो गयी । इन तीन दिनों में जिले में 930.5 मिमी बारिश हो गई। अगर पिछले 24 घंटों की बात करें तो जिले 85. 6 मिमी औसत बारिश रिकॉर्ड की गई। जिसमें पिथौरा में सबसे अधिक 128.5 मिमी, सरायपाली में 97.7, बसना में 90.4 मिमी, महासमुंद में 68.5 मिमी, कोमाखान में 66.5 मिमी और बागबाहरा में सबसे कम 62.5 मिमी (कुल 514.1 मिमी) बारिश हुई है।

समोदा के 17 और निसदा के 8 गेट खुले

लगातार चार दिनों से हो रही बारिश के चलते महानदी का जल स्तर भी लगातार बढ़ रहा है। इसका स्तर बनाये रखने के लिए निसदा डेम के 12 गेटों में से 8 गेटों को खोला गया है। आज सुबह तक यहां महानदी का जल स्तर 65 फीट था। निसदा डेम के गेट खोलने से समोदा डेम पर जलस्तर बढ़ने का दबाब बढ़ने लगा। बाद समोदा के 48 में से 17 गेटों को खोला गया, जिससे इसका जल स्तर मेंटेन रहा। आज सुबह तक डेम का जलस्तर 4.20 मीटर तक पहुँच गया था।

अब तक बारिश

तहसील बारिश	(मिमी)
महासमुंद	281.1
पिथौरा	301.3
बागबाहरा	222.9
सरायपाली	386.3
बसना	234.6
कोमाखान	225.1
कुल	1651.3

कोडार में 6 फीट बढ़ा पानी

इधर, लगातार बारिश के कारण खल्लारी व बागबाहरा क्षेत्र के कैचमेंट एरिया से बारिश का पानी कोडार में लगातार आ रहा है। 2 जुलाई को कोडार बांध में लगभग 11 फीट पानी था जो 5 जुलाई को बढ़कर 12.50 और आज सुबह तक 17 फीट पानी भर चुका था। बता दें कि रबी फसल और गर्मी में निस्तारी के लिए कोडार में पानी छोड़ने के बाद 11 फीट पानी ही शेष रह गया था।

आषाढ़ ही पहली बारिश से ही विद्युत व्यवस्था बिगड़ी, पूरा क्षेत्र डूबा रहा अंधेरे में

बारिश ने विद्युत व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। जिला मुख्यालय के आसपास गांवों में अंधेरा छाया रहा। बिजली बंद होने से ग्रामीण के साथ छोटे बच्चे व विद्यार्थियों को खासी परेशानी हुई। जिला मुख्यालय के आसपास गांव ब्लैक आउट रहा। खासकर वनांचल गांवों में बिजली व्यवस्था ठप रही है। खैरा, लभराखुर्द, मोंगरा, लभराकला, बेमचा, परसदा, तुमाडबरी, नवापारा, कौंदकेरा, सोरिद, बनसिवनी समेत अनेक गांवों में रातभर बिजली बंद रही है।

2011 से संचालित
शंकराचार्य
स्वामी स्वरुपानंद कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जुनवानी, भिलाई
B.c. NURSING
&
M.Sc. NURSING
प्रवेश के लिए संपर्क करें
मो.: 83193 47482
81030 45003
Website : ssscn.ac.in

खबर संक्षेप

युवक के साथ मारपीट

महासमुंद। ग्राम अछरीडीह में युवक के साथ मारपीट के मामले में तुमगांव थाने में आरोपी के खिलाफ जुर्म दर्ज किया गया है। ग्राम अछरीडीह का सलीम कुर्रे (23 साल) 04 जुलाई की रात 10 बजे अपने दोस्त दिलेश्वार निषाद, अरूण निषाद, सोमनाथ निषाद के साथ अनुज साहू के मेडिकल दुकान के सामने बने नए घर के बगल में बैठे थे, इसी दौरान ग्राम बड़गांव के जतिन निषाद अपने साथियों के साथ वहां आया और सलीम के साथ मारपीट करने लगा, साथ ही धारदार हथियार से वार किया, जिसमें माथे पर चोट आई। रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 3(5) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

पति-पत्नी को पीटा

महासमुंद। अपने बेटे की तलाश कर रहे एक दंपत्ति के साथ मारपीट के मामले में बसना थाने में आरोपी के विरूद्ध मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि छोटेडाभा के हार्डवेयर व ट्रेडर्स का काम करने वाले शिवकुमार अग्रवाल 6 जुलाई को अपनी पत्नी लीलादेवी के साथ अपने छोटे बेटे कान्हा अग्रवाल (20 वर्ष) की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान वे गांव के यमन साव के घर सुबह साढे छह बजे पहुंचे और उससे अपने बेटे के घर नहीं आने के संबंध में पूछताछ की। इस पर यमन साव ने गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ में पहने कड़े से शिव कुमार अग्रवाल के माथे पर मारा। जब बीच बचाव करने उसकी पत्नी लीलादेवी अग्रवाल आई तब आरोपी यमन ने उसके साथ भी मारपीट की।

भारी बारिश से नदी नाले उफान पर सतर्कता बरतने की एडवाइजरी जारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महासमुंद

जिले में संभावित बाढ़ की स्थिति

- कलेक्टर ने कहा: घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल करें कंट्रोल रूम को सूचित, बाढ़ नियंत्रण को लेकर जिला प्रशासन सतर्क

से जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। मानसून के दौरान वर्षा की संभावना को देखते हुए कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने जिलेवासियों से कहा है कि वे नदी-नालों, पुराने पुल-पुलियों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों को पार करते समय विशेष सावधानी बरतें तथा किसी भी आपदा अथवा आपात स्थिति की जा न का री तत्काल 24x7 संचालित जिला स्तरीय बाढ़ कंट्रोल रूम पर दें।

कलेक्टर लंगेह ने कहा कि नागरिक अपने क्षेत्र में संभावित बाढ़ प्रभावित स्थानों एवं पूर्व वर्षों के उच्चतम जलस्तर की जानकारी रखें। आवश्यक दस्तावेजों को सुरक्षित स्थान पर रखें तथा निकटतम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं राहत केंद्र की जानकारी पहले से प्राप्त कर लें। उन्होंने प्रत्येक परिवार से आपातकालीन किट तैयार रखने की अपील की, जिसमें सूखा खाद्य सामग्री, पेयजल, आवश्यक दवाइयां, टॉर्च, आवश्यक दस्तावेज, आपातकालीन संपर्क नंबर, मोमबत्ती, माचिस एवं रस्सी जैसी जरूरी सामग्री शामिल हो। उन्होंने कहा कि बाढ़ की आशंका होने पर पालतू पशुओं को सुरक्षित एवं ऊंचे स्थानों पर पहुंचा दें। बाढ़ की चेतावनी मिलने पर प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। साथ ही अपने परिजनों एवं परिचितों को अपने सुरक्षित स्थान की जानकारी अवश्य दें। पुलिस, राजस्व, दमकल एवं अन्य बचाव दलों के निर्देशों का पालन करें तथा उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान करें। कलेक्टर ने नागरिकों को मौसम विभाग की चेतावनियों एवं प्रशासन द्वारा जारी सूचनाओं पर लगातार नजर रखने कहा है।

जिले में अब तक 275.1 मिलीमीटर औसत वर्षा

महासमुंद। जिले में चालू मानसून के दौरान 01 जून से अब तक 275.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख से मिली जानकारी के अनुसार जिले में सर्वाधिक औसत वर्षा सरायपाली तहसील में 386.3 मिलीमीटर, पिथौरा में 301.3 मिलीमीटर, महासमुंद में 281.1 मिलीमीटर, बसना में 234.6 मिलीमीटर, कोमाखान में 225.1 मिलीमीटर और सबसे कम वर्षा 222.9 मिलीमीटर बागबाहरा तहसील में दर्ज की गई। 06 जुलाई को 85.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। जिले के तहसीलवार वर्षा में पिथौरा तहसील में 128.5 मिलीमीटर, सरायपाली में 97.7 मिलीमीटर, बसना में 90.4 मिलीमीटर, महासमुंद में 68.5 मिलीमीटर, कोमाखान में 66.5 मिलीमीटर एवं बागबाहरा तहसील में 62.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

अग्रसेन
प्रा. आई.टी.आई
BHILAI | DHANORA
• ELECTRICIAN
2 Year (10th Pass)
• FITTER 2 Year (10th Pass)
• C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T. New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट
REGISTRATION OPEN
कुरुद रोड कोहका, भिलाई, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93949 • 89595-44444
अग्रसेन एजुकेशन कैम्पस, ग्राम-धनोरा, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93934 • 89595-44444

रोजगार देने वाले उद्योगों को मिलेगा अनुदान, स्थानीय को नौकरी नहीं दी तो ब्याज सहित होगी वसूली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 को लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 'छत्तीसगढ़ उद्योग रोजगार एवं प्रशिक्षण अनुदान नियम, जारी कर दिए हैं। 30 जून को जारी अधिसूचना के साथ ही रोजगार सृजन और प्रशिक्षण पर उद्योगों को अनुदान देने की पूरी प्रक्रिया, पात्रता, भुगतान और वसूली के नियम तय हो गए हैं।

नए नियमों के तहत अब केवल वही औद्योगिक इकाईयां अनुदान की पात्र होंगी, जो उत्पादन या सेवा गतिविधि शुरू करने के बाद राज्य सरकार के निर्धारित मानकों के अनुसार रोजगार उपलब्ध कराएंगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि उद्योगों को अनुदान लेने के लिए कर्मचारियों का ईपीएफओ में पंजीकरण अनिवार्य होगा।

छत्तीसगढ़ उद्योग रोजगार अनुदान नियम-2024 निरस्त, नया लागू, पांच साल तक रोजगार बनाए रखने की अनिवार्यता भी

स्थानीय लोगों को रोजगार देना होगा अनिवार्य

सरकार ने नियमों में स्थानीय युवाओं के रोजगार को सबसे अधिक प्राथमिकता दी है। उद्योगों को अनुदान की दावा अवधि के दौरान उत्पादन जारी रखते हुए अकुशल श्रेणी में 100 प्रतिशत, कुशल श्रेणी में 70 प्रतिशत तथा प्रबंधकीय एवं प्रशासनिक श्रेणी में कम से कम 40 प्रतिशत रोजगार छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों को देना अनिवार्य होगा। यही शर्त शपथ-पत्र के माध्यम से भी लागू रहेगी। नियमों में दिव्यांग, सेवानिवृत्त अग्निवीर, आत्मसमर्पित नक्सली तथा नक्सल प्रभावित व्यक्तियों को रोजगार देने वाले उद्योगों के लिए भी विशेष रोजगार अनुदान का प्रावधान किया गया है। इसके लिए संबंधित श्रेणी का सक्षम प्राधिकारी से प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।

पांच वर्ष तक रोजगार बनाए रखना होगा : नियमों के अनुसार उद्योगों को व्यावसायिक उत्पादन शुरू होने की तारीख से पांच वर्ष अथवा अंतिम अनुदान स्वीकृति की तारीख से पांच वर्ष (जो बाद में हो) तक स्थानीय लोगों को निर्धारित अनुपात में रोजगार देना होगा। यदि बाद में रोजगार घटने से निर्धारित प्रतिशत कम हो जाता है तो सरकार अनुदान राशि ब्याज सहित वापस ले सकेगी या अन्य देय अनुदानों से समायोजित कर सकेगी।

गलत जानकारी दी तो 12.5 प्रतिशत ब्याज सहित होगी वसूली : सरकार ने अनुदान के दुरुपयोग पर भी सख्त प्रावधान किए हैं। यदि कोई उद्योग तथ्य छिपाकर या गलत जानकारी देकर अनुदान प्राप्त करता है तो पूरी राशि 12.5 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज सहित वसूल की जाएगी। यह राशि भू-राजस्व बकाया की तरह वसूली जा सकेगी।

प्रशिक्षण अनुदान भी मिलेगा

सरकार उद्योगों को कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर भी सहायता देगी। प्रशिक्षण वृत्ति प्रतिपूर्ति दो किस्तों में मिलेगी। पहली किस्त नियुक्ति के एक वर्ष बाद और दूसरी किस्त छह माह बाद दी जाएगी। दोनों किस्तों में औसत मासिक वेतन का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 7,500 रुपए (जो कम हो) तक भुगतान किया जाएगा।

ऑनलाइन आवेदन, समयसीमा भी तय

उद्योगों को सभी आवेदन ऑनलाइन करने होंगे। आवेदन के साथ मूल निवासी प्रमाण-पत्र, नियुक्ति आदेश, आधारकार्ड, ईपीएफओ पंजीयन, वेतन का सीए प्रमाणित विवरण तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज जमा करना होंगे। दस्तावेजों में कमी मिलने पर 15 दिन के भीतर आवेदन वापस किया जाएगा और 60 दिन में कमी दूर नहीं होने पर आवेदन स्वतः निरस्त हो जाएगा।

अपील की भी व्यवस्था

यदि किसी उद्योग का आवेदन निरस्त होता है तो वह 45 दिनों के भीतर अपील कर सकेगा। सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के लिए अपील शुल्क 2 हजार रुपए तथा अन्य उद्योगों के लिए 5 हजार रुपए निर्धारित किया गया है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला उद्यमी, दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक, सेवानिवृत्त अग्निवीर, नक्सल प्रभावित और आत्मसमर्पित नक्सलियों के मामलों में यह शुल्क आधा रखा गया है। नई अधिसूचना के लागू होने के साथ ही 'छत्तीसगढ़ उद्योग रोजगार अनुदान नियम, 2024' को निरस्त कर दिया गया है और अब रोजगार एवं प्रशिक्षण से जुड़ी सभी अनुदान योजनाएं नए नियमों के तहत संचालित होंगी।

खबर संक्षेप

पं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर कवि सम्मेलन

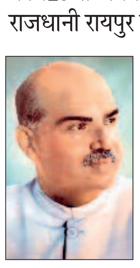

रायपुर । डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर राजधानी रायपुर में देश-प्रदेश के कवियों का कुंभ लगेगा। राष्ट्रवाद की परछाई रहे पं. मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भव्य काव्य महोत्सव 'मिट्टी के बेटे' का आयोजन किया जा रहा है। डिप्टी सीएम अरुण साव के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में प्रदेश के राष्ट्रवादी युवाओं द्वारा कवि सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। 'मिट्टी के बेटे' शीर्षक से होने वाले काव्य महोत्सव के संयोजक राष्ट्रवादी विचारक वीरेंद्र दुबे हैं। यह कार्यक्रम 11 जुलाई को रात्रि 8.30 बजे से पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में होगा। काव्य महोत्सव में देश के 3 ख्याति प्राप्त कवि शशिकांत यादव, राम भदावर और अमित शर्मा अपनी वीर रस की कविताओं से दर्शकों में राष्ट्रवाद की लहर जगाएंगे। साथ ही छत्तीसगढ़ के 6 प्रतिष्ठित कवि देवेन्द्र परिहार, मयंक शर्मा, संस्कार साहू, हीरामणि वैष्णव, नरेंद्र गुप्ता, ईशान शर्मा अपनी ओजपूर्ण एवं राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण रचनाओं का पाठ करेंगे। आयोजन में वीर रस, राष्ट्रचेतना, संस्कृति और मातृभूमि के गौरव पर आधारित काव्य प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

ब्वॉयज हास्टल निर्माण और कैंसर भवन विस्तार का भूमिपूजन करेंगे मुख्यमंत्री

रायपुर। पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 200 सीटर छात्र-छात्रावास/छात्रा-छात्रावास, कैंसर भवन (जी+2 से जी+6) तथा अन्य आवासीय परिसरों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन समारोह 6 जुलाई सोमवार को आयोजित है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय होंगे और अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री अरुण साव करेंगे। समारोह में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वन एवं प्रभारी मंत्री रायपुर केदार कश्यप, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब तथा रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल अतिविशिष्ट अतिथि होंगे।

डीए का 86 माह का एरियर्स देने की मांग

रायपुर । छत्तीसगढ़ विद्यालय शिक्षक कर्मचारी संघ ने राज्य सरकार से शिक्षकों सहित राज्य कर्मचारियों को जनवरी से अविलंब 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिए जाने की मांग की है। संघ के प्रांताध्यक्ष संजय तिवारी ने बताया कि जुलाई माह में कर्मचारियों को वार्षिक वेतनवृद्धि दी जाएगी, साथ ही मुख्यमंत्री को कर्मचारियों का महंगाई भत्ता स्वीकृत करना चाहिए। उन्होंने बताया कि महंगाई भत्ते में लेटलतीफी के चलते जनवरी 2017 से जनवरी 2025 तक भाजपा एवं कांग्रेस सरकार ने कर्मचारियों के 86 माह का महंगाई भत्ते का एरियर्स नहीं दिया है। कर्मचारियों को इससे लगभग 5600 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। इधर जनवरी 2026 का 2% महंगाई भत्ता प्रदेश के शिक्षकों कर्मचारियों को अब तक नहीं मिल सका है।

राष्ट्रपति मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी, शाह, योगी, साय, रमन, भूपेश, केदार, अग्रवाल ने दी श्रद्धांजलि

छत्तीसगढ़ ने खो दिया अमूल्य रत्न, देश ने कहा- अपूरणीय क्षति, कला जगत में भी शोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ की लोककला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण तीजन बाई के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत देश के कई बड़े नेताओं और सांस्कृतिक हस्तियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उनके निधन की जानकारी मिलने पर छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश के राजनीतिक, सांस्कृतिक और कला जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

शाह और योगी ने दी श्रद्धांजलि

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, पद्म विभूषण से सम्मानित प्रख्यात पंडवानी गायिका तीजन बाई का निधन कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपनी अद्वितीय प्रतिभा और समर्पण से पंडवानी लोककला को नई पहचान दिलाई। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा कि तीजन बाई ने अपनी विलक्षण प्रतिभा, सशक्त अभिव्यक्ति और संगीत साधना के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपरा 'पंडवानी' को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। भारतीय लोककला और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

रमन और भूपेश ने जताया दुख

छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, आज पंडवानी का एक सुर हमेशा के लिए शांत हो गया। तीजन बाई ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता को वैश्विक पहचान दिलाई और अनगिनत कलाकारों को प्रेरणा दी। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, पद्म विभूषण तीजन बाई का निधन केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे देश के कला और संस्कृति जगत की बड़ी क्षति है। उन्होंने अपने गायन से पंडवानी को जीवंत बनाए रखा और छत्तीसगढ़ का गौरव विश्वभर में बढ़ाया।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा- अपूरणीय क्षति

मंत्री केदार कश्यप ने कहा, तीजन बाई एक ऐसी महान कलाकार थीं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत, विशेषकर पंडवानी कला को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। पद्मश्री और पद्म विभूषण से सम्मानित तीजन बाई का लंबी बीमारी के बाद निधन होना पूरे राज्य और देश के लिए बड़ी क्षति है।

लोक कलाकार ही नहीं, छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान भी

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने शोक संदेश में कहा, तीजन बाई केवल एक लोक कलाकार नहीं थीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान की जीवंत प्रतीक थीं। उन्होंने अपनी अद्भुत कला, दमदार प्रस्तुति और समर्पण से पंडवानी जैसी लोकविधा को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित किया। उनका निधन प्रदेश और देश की सांस्कृतिक दुनिया के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों और असंख्य प्रशंसकों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

तंबूरे की तान एवं बुलंद आवाज गूंजती रहेगी : साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, इस दुखद खबर से हम सभी को गहरा आघात लगा है। उन्होंने प्रदेश की समृद्ध कला और संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई। वहीं यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पंडवानी की पहचान डॉ. तीजन बाई से थी। उनका जाना देश के लिए और छत्तीसगढ़ के लिए अपूरणीय क्षति है, जिसकी कभी भरपाई नहीं हो सकेगी। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। करोड़ों दिलों में तंबूरे की तान एवं बुलंद आवाज गूंजती रहेगी।

थोक में 6.55, चिल्हर में 8 रुपए प्रति नग

मुर्गी दाना-विटामिन में महंगाई से बढ़े अंडे के दाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण मुर्गी दाना और विटामिन के दाम बढ़ने से अंडों की कीमत आसमान पर चली गई है। गर्मी के कारण उत्पादन भी कम हो गया। ऐसे में पोल्ट्री में जहां इस समय कीमत 6.55 रुपए है, वहीं चिल्हर में इसके दाम 7.50 से 8 रुपए हो गए हैं। अब मानसून का प्रारंभ हो गया है तो दाम कुछ कम होने की संभावना है। इसके पहले अंडों का कुवैत भेजा जाना बंद होने से दाम बहुत कम हो गए थे, लेकिन अब फिर से अंडे कुवैत भेजने के कारण दाम बढ़ गए हैं।

छत्तीसगढ़ की गिनती देश के अंडों का ज्यादा उत्पादन करने वाले राज्यों में होती है। अपने प्रदेश में रोज 80 लाख अंडों का उत्पादन होता है। इसमें से 45 से 50 फीसदी अंडे दूसरे राज्यों में जाते हैं, बाकी अंडों की खपत अपने राज्य में होती है। गर्मी के समय में जब खपत कम हो जाती है, तब बहुत परेशानी होती है। ऐसे में उत्पादन कम करना पड़ता है। गर्मी के कारण इस बार भी अब तक अंडों का उत्पादन रोज 20 लाख कम हो गया है। अब मानसून के प्रारंभ होने पर आगे चलकर उत्पादन बढ़ेगा।

▪ पोल्ट्री में 6.55 रुपए, उत्पादन भी कम

मुर्गी दाना और विटामिन के दाम बढ़े

अंडों के दाम बढ़ने के पीछे का एक बड़ा कारण मुर्गी दाना और विटामिन के दाम बढ़ाना बताया जा रहा है। पोल्ट्री कारोबारियों के मुताबिक मुर्गियों को जो मक्का और कनकी का दाना दिया जाता है, उसके दाम बढ़ गए हैं। जहां मक्के का दाम 19 रुपए किलो से बढ़कर 26 रुपए किलो हो गया है, वहीं कनकी के दाम 16 रुपए से बढ़कर 23 रुपए हो गए हैं। जो विटामिन पहले 500 से 600 रुपए किलो मिलती थी, उसके दाम डबल होकर 11 से 12 सौ रुपए तक पहुंच गए हैं। यह विटामिन विदेशों से आती है। युद्ध के कारण इसके दाम बढ़े हैं।

मटेरियल के कारण दाम बढ़े

मुर्गियों को खिलाए जाने वाले मुर्गी दाने और विटामिन के दाम बढ़ने के कारण अंडों की कीमत में इजाफा हुआ है। आने वाले समय में मानसून में दाम कुछ कम हो सकते हैं। - **धनराज बैनर्जी**, पोल्ट्री फार्म कारोबारी

हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष बोले

न नकटी की जमीन हमारी, न ही वहां के लिए कोई आवासीय योजना

▪ कांग्रेस विधायक कॉलोनी के नाम पर भ्रम फैला रहे : अनुराग सिंहदेव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नकटी से बेदखली मामले को लेकर छत्तीसगढ़ राज्य गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव ने कहा, न तो नकटी की जमीन हाउसिंग बोर्ड की है और न ही वहां के लिए आज की तारीख में कोई योजना है। वहां की जमीन आज राजस्व विभाग की है। अतिक्रमण को सामान्य प्रक्रिया के तहत हटाया गया है। अब इसको लेकर कांग्रेस यह भ्रम फैलाने का काम कर रही है कि विधायक कालोनी के लिए वहां से अतिक्रमण हटाया गया है।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए श्री सिंहदेव ने कहा, नकटी ग्राम के कुल रकबे की वास्तविक जानकारी हम सबको होनी चाहिए। इस ग्राम की कुल आबादी 2110 है तथा इस ग्राम में शासकीय भूमि 22.736 हेक्टेयर है, निजी भूमि यहां पर 24.175 हेक्टेयर है। इसके अतिरिक्त वहां पर चारागाह के रूप में कुछ अतिरिक्त भूमि है। श्री सिंहदेव ने बताया, इस पूरे मामले में 2022 के पटवारी प्रतिवेदन में यह स्पष्ट किया गया था कि यह अतिक्रमण सिर्फ 3 हेक्टेयर शासकीय जमीन पर है। जिस पर कच्चे मकान व बाड़ी चिन्हांकित की गई थी।

इसके बाद जो अतिक्रमण हुआ, वह 2022 और 2023 का है। श्री सिंहदेव ने कहा कि उस समय योजनाबद्ध ढंग से शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया गया। यह ऑनलाइन रिकॉर्ड है, इससे पहले हाईकोर्ट में भी रिट दायर की गई थी, जिसमें हाईकोर्ट ने भी इसे चारागाह व शासकीय भूमि माना था। श्री सिंहदेव ने कहा, इस पर अतिक्रमण का रकबा 29000 वर्गफुट के 2 कब्जाधारी, 17000 वर्गफुट के 5 कब्जाधारी एवं 10 हजार वर्गफुट के 20 कब्जाधारी हैं। जहां 50 लाख तक के पक्के मकान थे।

जनभावनाओं को भड़काने का काम किया

छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष श्री सिंहदेव ने कहा कि विधायक आवास के लिए यह अतिक्रमण हटाए जाने की बात कहकर नैरेटिव सेट करने का प्रयास किया गया है। श्री सिंहदेव ने कहा कि 1 सितंबर 2020 को कांग्रेस के तत्कालीन आवास एवं पर्यावरण मंत्री मो. अकबर के विभाग ने प्रस्ताव दिया था कि सामान्य आवास के लिए यह भूमि हमें प्रदान की जाए। इसके बाद इस भूमि पर रिसेंट एक पत्र वर्तमान आवास एवं पर्यावरण मंत्री का भी है, जो 2 फरवरी 2026 को लिखा गया था। उन्होंने बताया, यह भूमि हमारे पास नहीं है और विधायक आवास बनाना है, प्रस्ताव पर विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष की एक कमेटी निर्णय लेती है। इस अवधि तक इस प्रकार की कोई योजना नहीं थी। आज की स्थिति में वह भूमि राजस्व विभाग के खाते में है, किसी भी अन्य विभाग के खाते में नहीं। श्री सिंहदेव ने कहा कि यह जो नैरेटिव बना कि यह जमीन विधायक आवास के लिए खाली कराई गई है, यह विषय कहां से आया? निश्चित रूप से यह विषय एक बड़े फेक नैरेटिव पर आधारित है। जिसके आधार पर कांग्रेसियों, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से लेकर पूर्व विधायक विकास उपाध्याय और टीएस सिंहदेव से लेकर दीपक बैज तक ने जनभावनाओं को भड़काने का काम किया और तो और आवास व पर्यावरण मंत्री के निज निवास में जबरिया अंदर घुसने की चेष्टा की गई। श्री सिंहदेव ने कहा कि यह न केवल फेक नैरेटिव सेट करके राजनीति करने का मामला है, बल्कि यह एक तरह से अराजक राजनीति को बढ़ावा देने का मामला है।

बारिश के बीच विस्थापित परिवारों के लिए राशन सामग्री लेकर पहुंचे ढेबर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नवा रायपुर के समीप स्थित सम्मानपुर (नकटी) गांव में बेदखली के बाद खुले आसमान के नीचे जीवन बिताने को मजबूर 85 से अधिक परिवारों के बीच रविवार को मूसलाधार बारिश के दौरान पूर्व महापौर एजाज ढेबर, कांग्रेस पार्षद एवं ब्लॉक अध्यक्ष अर्जुमन ढेबर अपने समर्थकों के साथ पहुंचे। प्रभावित परिवारों को छाते और आवश्यक राशन सामग्री वितरित कर उनके दुख-दर्द में सहभागिता जताई।

बारिश के बीच टपकते तिरपालों और भीगी जमीन पर परिवारों से मुलाकात कर एजाज ढेबर ने उन्हें भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में वे अकेले नहीं हैं। उन्होंने कहा, किसी भी विकास कार्य की कीमत गरीबों के सिर से छत छीनकर नहीं चुकाई जा सकती। उन्होंने कहा, यदि प्रशासन को कार्रवाई करनी ही थी तो सबसे पहले प्रत्येक परिवार के सम्मानजनक पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए थी।

ग्रामीणों ने जताया आभार

इस दौरान ग्रामीणों ने पूर्व महापौर एजाज ढेबर और अर्जुमन ढेबर का आभार व्यक्त करते हुए कहा, विपरीत परिस्थितियों में उनका साथ और सहयोग उनके लिए बड़ी राहत है। प्रभावित परिवारों ने उम्मीद जताई कि उनकी आवाज शासन-प्रशासन तक पहुंचेगी और उन्हें न्याय मिलेगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी स्पष्ट किया कि जब तक प्रत्येक विस्थापित परिवार को उचित पुनर्वास और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा दी जातीं, तब तक उनका संघर्ष और सहयोग दोनों निरंतर जारी रहेंगे।

सफाई, पानी और अवैध निर्माण पर सदन में सवाल दागने पार्षद तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर नगर निगम की विशेष सामान्य सभा में 6 जुलाई को हंगामा होने के आसार हैं। तीन ज्वलंत विषयों पर सदन सवालों की आंच से सुलगेगा। इसकी आंच भारसाधक सदस्य से लेकर महापौर तक पहुंचेगी, जिन्हें अपनी ही पार्टी के निर्वाचित पार्षदों के प्रश्नों के जवाब सदन में देने पड़ सकते हैं। यह पहला मौका होगा, जब विपक्ष के साथ सत्तापक्ष के पार्षद सदन में अपने वार्ड की सफाई व्यवस्था, जलभराव, पेयजल की समस्या के साथ ही वार्ड में अवैध निर्माण और अतिक्रमण को लेकर सवाल पूछेंगे। बारी-बारी से इन्हें सदन में अपनी बात रखने का मौका मिलेगा। सभापति सूर्यकांत राठौर ने सभी पार्षदों से जनहित से जुड़े इन ज्वलंत विषयों पर पूरी तैयारी के साथ सदन में चर्चा में हिस्से लेने प्रोत्साहित किया है। अभी तक एक निर्धारित एजेंडे पर ही सामान्य सभा में पार्षदों को अपने विचार रखने का मौका मिलता था, पर इस बार तीन विषय पर उन्हें सदन में चर्चा का अवसर दिया जाएगा।

शहर की लचर सफाई व्यवस्था और डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के कार्य में आ रही परेशानी से सदन में पहली बार चुनकर आए नए पार्षद अपनी बात सदन में रखने उत्साहित हैं, साथ पानी की समस्या और बारिश के सीजन में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान चाहते हैं। इसी बात को लेकर महापौर मीनल चौबे ने सभापति से आग्रह कर विशेष सामान्य सभा की बैठक बुलाने आवेदन दिया। 6 जुलाई को प्रातः 11 बजे विशेष सामान्य सभा की बैठक में 3 विषयों पर सदन में चर्चा होगी, जिसमें सवाल-जवाब का सिलसिला चलेगा। इसके लिए पार्षदों ने बिंदुवार तैयारी कर रखी है। ऐसे में विशेष सामान्य सभा पर राजधानीवासियों के अलावा जनप्रतिनिधियों की भी नजर है।

ठेकेदारों के लंबित भुगतान पर एक नजर

- सामान्य मद के करीब 7 करोड़ रुपए का भुगतान लंबित
- अन्य मदों में करीब 2.5 करोड़ रुपए का भुगतान प्रक्रिया में

ठेकेदार लंबित मांगों को लेकर आज करेंगे प्रदर्शन

नगर निगम ठेकेदार संघ द्वारा 7 सूत्रीय मांगों को लेकर विशेष सामान्य सभा के दिन गांधी सदन के मुख्य द्वार के सामने काम बंद कलम बंद हड़ताल की जाएगी। संघ के अध्यक्ष दुर्गेश ठाकुर का कहना है कि नगर निगम प्रशासन की वादाखिलाफी, लंबित भुगतान और ठेकेदारों की न्यायसंगत मांगों को लेकर ठेकेदार संघ सोमवार को एक दिवसीय शांतिपूर्ण आंदोलन करेगा, जिसमें नगर निगम के सफाई ठेकेदारों के सभी देयकों का त्वरित निराकरण कर लंबित भुगतान जल्द करने की मांग, सभी मदों का यथाशीघ्र भुगतान किए जाने की मांग की जाएगी।

फ्लैट, प्लॉट समेत किसी भी सेवा की रद्द बुकिंग पर अपंजीकृत खरीदार भी कर सकेंगे सीधे रिफंड का दावा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

फ्लैट, प्लॉट, दुकान, व्यावसायिक परिसर या किसी अन्य सेवा की बुकिंग रद्द होने के बाद जीएसटी रिफंड को लेकर लंबे समय से बनी असमंजस की स्थिति अब काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्यिक कर (जीएसटी) विभाग ने इस संबंध में सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। आयुक्त, राज्य कर ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के सर्कुलर के अनुरूप प्रदेश में रिफंड दावों का निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

राज्य सरकार के निर्देश का सबसे बड़ा असर उन हजारों उपभोक्ताओं पर पड़ेगा, जिन्होंने किसी सेवा के लिए अग्रिम राशि के साथ जीएसटी का भुगतान किया था, लेकिन बाद में बुकिंग या अनुबंध रद्द हो गया। कई मामलों में सेवा प्रदाता (सप्लायर) ने मूल राशि तो लौटा दी, लेकिन जीएसटी का क्रेडिट नोट जारी नहीं किया अथवा कर की पूरी राशि वापस नहीं की। ऐसी स्थिति में उपभोक्ता न तो सप्लायर से कर वापस प्राप्त कर पा रहे थे और न ही सरकार से रिफंड लेने का स्पष्ट प्रावधान था। अब इस स्थिति को स्पष्ट कर दिया गया है।

बुकिंग रद्द होने पर जीएसटी रिफंड का रास्ता साफ

पूरे प्रदेश में रिफंड की एक व्यवस्था होगी : राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देशों का उद्देश्य पूरे प्रदेश में रिफंड प्रक्रिया को एकरूप बनाना और अधिकारियों के बीच व्याख्या संबंधी भ्रम को समाप्त करना है। अब तक कई मामलों में अलग-अलग कार्यालयों में रिफंड दावों के निस्तारण को लेकर भिन्न-भिन्न दृष्टिकोण अपनाए जा रहे थे। नए निर्देश लागू होने के बाद सभी अधिकारी एक समान प्रक्रिया के तहत ऐसे दावों का निपटारा करेंगे।

कर सकेंगे जीएसटी रिफंड का दावा

निर्देशों के अनुसार यदि किसी सेवा की आपूर्ति से पहले ही अनुबंध या बुकिंग रद्द हो जाती है और सप्लायर जीएसटी अधिनियम के तहत क्रेडिट नोट जारी करने की समयसीमा समाप्त हो जाने या अन्य कारणों से क्रेडिट नोट जारी नहीं कर सकता तो अपंजीकृत प्राप्तकर्ता स्वयं सरकार के समक्ष जीएसटी रिफंड का दावा कर सकेगा। यह व्यवस्था विशेष रूप से रियल एस्टेट क्षेत्र में फ्लैट, प्लॉट और भवनों की बुकिंग रद्द होने वाले मामलों के अलावा अन्य सभी सेवाओं पर भी लागू होगी।

अस्थायी पंजीकरण भी...

राज्य कर विभाग ने अधिकारियों को यह भी बताया है कि यदि किसी व्यक्ति ने अलग-अलग सप्लायरों से सेवाएं ली हैं तो प्रत्येक सप्लायर के लिए अलग-अलग रिफंड आवेदन प्रस्तुत करना होगा। वहीं यदि संबंधित सप्लायर किसी दूसरे राज्य में जीएसटी के तहत पंजीकृत है तो आवेदक को उस राज्य में अस्थायी (टेम्परेरी) पंजीकरण प्राप्त कर वहीं रिफंड आवेदन करना होगा। रिफंड स्वीकृत करने से पहले अधिकारी यह भी सुनिश्चित करेंगे कि संबंधित कर का भार किसी अन्य व्यक्ति पर स्थानांतरित नहीं किया गया है। आवेदक को आवश्यक घोषणा और दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे, ताकि यह प्रमाणित हो सके कि जिस कर की वापसी मांगी जा रही है, उसका लाभ पहले से किसी अन्य माध्यम से प्राप्त नहीं किया गया है।

खबर संक्षेप

मछली पकड़ रहा युवक तेज बहाव में बहा, तलाश जारी

महासमुंद। जिले के तुमगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत गोपालपुरा एनीकट में सोमवार दोपहर मछली पकड़ने के दौरान एक युवक तेज पानी के बहाव में बह गया। रेस्क्यू टीम युवक की तलाश में जुटी है। जानकारी के मुताबिक, गोपालपुर निवासी रामेश्वर निषाद (21 वर्ष) पिता दसरू निषाद सोमवार दोपहर करीब 2 बजे गोपालपुर एनीकट में मछली पकड़ रहा था। इसी दौरान वह पानी के तेज बहाव की चपेट में आकर बह गया। पास खड़े तीरथ निषाद ने लकड़ी के सहारे उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज धारा के कारण वे सफल नहीं हो सके। घटना की सूचना मिलने पर तुमगांव पुलिस और नगर सेना की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। हालांकि नदी में पानी का बहाव और दबाव अत्यधिक होने के कारण सुरक्षा कारणों से रेस्क्यू दल तत्काल पानी में नहीं उतर सका। युवक की तलाश के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है। परिजनों के अनुसार, रामेश्वर निषाद की शादी इसी वर्ष फरवरी माह में हुई थी। वह चार बहनों और तीन भाइयों के परिवार में वह छठे नंबर का था।

पिकअप की टक्कर से बाइक में सवार दादा-पोता घायल

महासमुंद। पिकअप वाहन की टक्कर से बाइक में सवार दादा और पोता घायल हो गए। घटना ग्राम कोदोपाली बाराडोली मेन रोड की है। रिपोर्ट पर आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध बसना थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि 5 जुलाई को ग्राम कर्राभौना का पूरन सिदार अपने दादा मोहनो सिदार के साथ अपनी बाइक एचएफ डीलक्स क्रमांक सीजी 06 जी 0329 में ग्राम कर्राभौना से नवागांव की ओर जा रहे था। ग्राम कोदोपाली बाराडोली के बीच मेन रोड पहुंचने पर सामने से आ रहे पिकअप वाहन सीजी 06 एचडी 9663 के चालक द्वारा अपने वाहन को लापरवाहीपूर्वक चलाकर बाइक को टक्कर मार दिया। घटना में दोनों को काफी चोट लगी। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया। बसना पुलिस मामले में पूरन के पिता बरतराम सिदार की रिपोर्ट पर आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध धारा 281,125(ए) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

हाईस्कूल सोरिदभाट के दो पूर्व छात्रों का अग्निवीर में चयन

धमतरी। शासकीय हाईस्कूल सोरिदभाट के दो पूर्व विद्यार्थियों का भारतीय सेवा अग्निवीर योजना के तहत चयन हुआ है। दीपेश कुमार पिता रोशन कुमार साहू तथा दुर्गेश नागवंशी पिता भुनेश्वर नागवंशी का चयन भारतीय सेना अग्निवीर में चयन हुआ है। प्राचार्य डीके देवांगन ने कहा कि यह विद्यालय की बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर व्याख्याता सुनील महावर , महेश मगेन्द्र, ज्योति विबियाना मिंज, पूनम मानकर, रूपेश साहू, संगीता सोनी, दुर्गा सिन्हा, भगवती ठाकुर, शाला विकास समिति के सदस्य रामकुमार साहू, रामनाथ यादव, मकसूदन सिन्हा ने हर्ष जताया है।

महिला मोर्चा की बैठक में डिजिटल प्रशिक्षण पर जोर

धमतरी। डॉ बीथिका विश्वास भाजपा महिला मोर्चा की रायपुर शहर जिला प्रभारी बनाई गई है। महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ महिला मोर्चा बूथ से प्रदेश स्तर पर डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महिला मोर्चा की एकात्म परिसर रायपुर जिला में बैठक हुई जिसमें बीथिका विश्वास भी शामिल हुई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल थे। रायपुर शहर महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती कृतिका जैन के नेतृत्व में बैठक हुई। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान अंतर्गत डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से महिलाओं को बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक संगठन के कार्यों को संचालित करने एवं भाजपा के इतिहास, विचारधारा एवं रीति नीति कार्य पद्धति को कार्यकर्ताओं तक सुचारू रूप से पहुंचाने हेतु प्रशिक्षण दिया गया।

मोर गांव मोर पानी अभियान 2.0 और मनरेगा के समन्वय से महासमुंद जिले में जल संरक्षण को मिली नई दिशा

551 ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण, पहली बारिश में 31 करोड़ लीटर जल भंडारण की क्षमता विकसित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिले में भू-जल स्तर बढ़ाने और वर्षा जल के अधिकतम संरक्षण के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा मोर गांव मोर पानी अभियान 2.0 एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के प्रभावी समन्वय से व्यापक स्तर पर जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किए गए हैं। इन प्रयासों से महासमुंद जिले में जल संरक्षण को नई दिशा मिली है। जिला कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में जिले की सभी 551 ग्राम पंचायतों में जनभागीदारी के साथ भू-जल संवर्धन एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी गई। अभियान के तहत बोरी बंधान, डब्ल्यूएटी, एससीटी, प्रधानमंत्री आवासों में सोख्ता गड्ढे, 5 प्रतिशत मॉडल, ब्रश वुड जैसी लघु जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण कराया गया। वहीं मनरेगा के माध्यम से गेबियन, एलबीसीडी, डाइक, आजीविका डबरी, नवा तरिया, जल अवशोषण खंती, सतत कंटूर ट्रेंच, कुएं निर्माण, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग एवं बोरवेल रिचार्ज जैसे कार्यों को प्राथमिकता से स्वीकृत एवं क्रियान्वित किया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हेमंत नंदनवार के मार्गदर्शन में एक ही वित्तीय वर्ष में 36 हजार जल अवशोषण खंतियां, 8, 200 स्टैगर्ड ट्रेंच, 30 हजार सतत कंटूर ट्रेंच, 51 डाइक, 52 गेबियन, 800 आजीविका डबरी सहित विभिन्न जल संरक्षण कार्य पूर्ण किए गए। मानसून की पहली ही बारिश में इन सभी संरचनाओं में पर्याप्त जल भराव हो गया, जिससे वर्षा जल का अपव्यय रुककर उसका भू-जल में पुनर्भरण सुनिश्चित हो रहा है। इन सभी जल संरक्षण संरचनाओं के माध्यम से जिले में लगभग 31 करोड़ लीटर पानी के एकमुश्त भंडारण की क्षमता विकसित हुई है, जिससे आने वाले समय में भू-जल स्तर में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हेमंत नंदनवार ने कहा कि जिले की 551 ग्राम पंचायतों में जल संकट की समस्या के स्थायी समाधान के लिए मोर गांव मोर पानी अभियान 2.0 एवं महात्मा गांधी मनरेगा के माध्यम से जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि मानसून की पहली बारिश से इन संरचनाओं में जल भराव होना इस अभियान की सफलता का प्रमाण है तथा यह भू-जल पुनर्भरण की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

पहल: जनसहयोग से संवरेगा रूप, बनेंगे मंदिर और गार्डन

मानसून की पहली बारिश से निखरा सितली नाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

शहर की जीवनदायिनी सितली नाला पुराने प्राकृतिक स्वरूप में लौटने लगा है। सितली नाला के सौंदर्यीकरण और विकास कार्य को गति देने के लिए यहां पुल निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है। आगामी दिनों में इसे एक सुंदर पर्यटन, धार्मिक और मनोरंजन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए कई बड़े कार्य चरणबद्ध तरीके से किए जाएंगे, जिनमें भव्य मंदिर का निर्माण, आकर्षक और आधुनिक गार्डन, आधुनिक लाइटिंग व्यवस्था, बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और हरित क्षेत्र का विकास शामिल है।

समिति से जुड़े व पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा तथा समिति के सचिव व नवनियुक्त एल्डरमैन मोहन साहू ने बताया कि वर्षों से उपेक्षित रहे सितली नाला को पुनः उसकी प्राकृतिक पहचान दिलाने का संकल्प लिया गया है। हमारा उद्देश्य केवल नाले का विकास करना नहीं, बल्कि इसे शहर की सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यावरणीय धरोहर के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने आगे कहा कि जो नागरिक अपने स्वजनों या पूर्वजों की स्मृति को चिरस्थायी बनाना चाहते हैं, वे मंदिर निर्माण, गार्डन विकास या पौधरोपण जैसे कार्यों में सहयोग दे सकते हैं।

जनभागीदारी से संवरेगी शहर की धरोहर

स्वास्थ्य केंद्र समिति के तत्वावधान में इस महत्वाकांक्षी अभियान को जनसहयोग के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। समिति ने महासमुंद के नागरिकों से इस पुनीत कार्य में तन, मन और धन से सहयोग करने की बात कही है ताकि, जनभागीदारी से इसका संरक्षण सफलतापूर्वक किया जा सके।

आने वाली पीढ़ियों के लिए बनेगा मिसाल

स्वास्थ्य केंद्र समिति के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत पाणिग्राही व पदाधिकारियों ने बताया कि समिति का दृढ़ विश्वास है कि जनभागीदारी से चलने वाला यह अभियान आने वाले समय में शहर की एक नई पहचान बनेगा। हरियाली, स्वच्छ वातावरण और धार्मिक आस्था का यह अनूठा संगम आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणादायी सिद्ध होगा।

रामभक्तों की आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, चढ़ावा चोरी की हो निष्पक्ष न्यायिक जांच : द्वारिकाधीश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव ने अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित चढ़ावे में कथित अनियमितताओं एवं चंदा चोरी के सामने आए मामले को अत्यंत गंभीर बताते हुए इसकी उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग की है।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम करोड़ों देशवासियों की आस्था के केंद्र हैं। श्रद्धालु मंदिर में पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ दान एवं चढ़ावा अर्पित करते हैं। यदि उस धन के दुरुपयोग अथवा कथित चोरी जैसी घटनाओं के आरोप सामने आते हैं, तो इससे केवल आर्थिक अनियमितता का मामला नहीं बनता, बल्कि करोड़ों रामभक्तों की आस्था को भी गहरी ठेस पहुंचती है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष यादव ने कहा कि इस पूरे मामले की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी अथवा न्यायिक आयोग से कराई जानी चाहिए, ताकि सत्य सामने आए और दोषी चाहे कोई भी हो, उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि देश की जनता को यह जानने का अधिकार है कि श्रद्धालुओं द्वारा भगवान श्रीराम के नाम पर दिए गए चढ़ावे का उपयोग किस प्रकार किया गया और यदि कोई अनियमितता हुई है तो उसके लिए कौन जिम्मेदार हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लंबे समय से राम मंदिर आंदोलन और उसके प्रबंधन से जुड़े रहे हैं। इसलिए इस मामले में उनकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वे देशवासियों के सामने स्पष्ट जवाब दें तथा निष्पक्ष जांच में पूर्ण सहयोग करें। जिला कांग्रेस अध्यक्ष यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसी भी धार्मिक संस्था या आस्था के विरुद्ध नहीं है, बल्कि श्रद्धालुओं की आस्था और उनके द्वारा दिए गए दान की पवित्रता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के पक्ष में है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि देशवासियों का विश्वास बना रहे।

दिव्यांगजनों के लिए दो दिवसीय उपयुक्तता प्रमाण-पत्र शिविर कल से

महासमुंद। भारत सरकार एवं श्रम मंत्रालय के नेशनल कैरियर सेंटर फॉर डिफरेंटली एबल्ड जबलपुर एवं विशेष रोजगार कार्यालय (दिव्यांगजनों के नियोजन हेतु) रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में 08 एवं 09 जुलाई 2026 को प्रातः 11 से दोपहर 03 बजे तक दिव्यांगजनों के लिए उपयुक्तता प्रमाण-पत्र शिविर का आयोजन शासकीय कन्या पॉलिटेक्निक कॉलेज बैरन बाजार रायपुर में किया जा रहा है। इस शिविर के माध्यम से दिव्यांगजनों को विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उपयुक्तता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होना है। छत्तीसगढ़ राज्य के दिव्यांगजनों को इस प्रमाण-पत्र के लिए जबलपुर जाना होता है। राज्य के शिक्षित दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए भारत सरकार श्रम मंत्रालय के नेशनल कैरियर सेंटर फॉर डिफरेंटली एबल्ड जबलपुर द्वारा दिव्यांगजनों को उनके दिव्यांगता का परीक्षण कर पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपयुक्तता प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है। इस शिविर में भाग लेने के लिए दिव्यांगजन अभ्यर्थी को जिला चिकित्सा बोर्ड द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, शिक्षा एवं आयु से संबंधित प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, मोबाईल नंबर, जाति प्रमाण-पत्र (यदि आरक्षित श्रेणी से है), पासपोर्ट आकार के दो फोटो तथा पाठ्यक्रम जिसमें प्रवेश लेना चाहता हो उसका प्रवेश पत्र लाना अनिवार्य है। शिविर में आने-जाने के लिए किसी भी प्रकार का कोई मार्गव्यय देय नहीं होगा। अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन समय पर दूरभाष नंबर 0771-4044081 पर संपर्क कर सकते हैं। जिले के दिव्यांगजनों को अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस शिविर का लाभ उठाने के लिए कहा गया है।

धूमधाम से मनाया गया सांसद रूपकुमारी चौधरी का जन्मदिन

सांसद सेवा स्वास्थ्य शिविर में 830 मरीजों ने कराया निःशुल्क उपचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बसना

महासमुंद सांसद एवं भाजपा छत्तीसगढ़ की प्रदेश उपाध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी का जन्मदिन रविवार को बसना स्थित मंगल भवन में सेवा, समर्पण और जनसहभागिता के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया। लगातार हो रही बारिश के बावजूद महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों से भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, व्यापारी, स्थानीय पत्रकार एवं बड़ी संख्या में आमजन बसना पहुंचे। उपस्थित लोगों ने सांसद रूपकुमारी चौधरी को उनके लिए स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल सार्वजनिक जीवन की कामना की। सांसद चौधरी के जन्मदिन पर प्रदेश के मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय नेतृत्व, केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सदस्यों, प्रदेश मंत्रिमंडल के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों तथा भाजपा संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने दूरभाष एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भी संदेश मिले। पंचायत प्रतिनिधियों से लेकर संसद तक के जनप्रतिनिधियों, विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों तथा शुभचिंतकों ने जनसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की।

जन्मदिन पर सिद्ध संकल्प फाउंडेशन के तत्वावधान में अग्रसेन भवन बसना में सांसद सेवा स्वास्थ्य शिविर–2026 का आयोजन किया गया। सांसद रूपकुमारी चौधरी के जन्मदिन को जनसेवा से जोड़ने की इस अनूठी पहल की लोगों ने मुक्तकंठ से सराहना की। शिविर का उद्देश्य क्षेत्र के नागरिकों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। पूरे महासमुंद लोकसभा क्षेत्र से आए मरीजों ने इस शिविर का लाभ उठाया। सिद्ध संकल्प फाउंडेशन की सचिव नेहा मिश्रा के अनुसार स्वास्थ्य शिविर के लिए कुल 1,290 लोगों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 830 मरीजों का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श किया गया। वहीं समाजसेवा की भावना से प्रेरित 22 युवाओं ने स्वैच्छिक रक्तदान कर मानवता के प्रति अपना दायित्व निभाया। शिविर में 3 शिशु रोग विशेषज्ञ, 2 प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, 7 जनरल मेडिसिन विशेषज्ञ सहित फिजियोथैरेपिस्ट, पोषण एवं आहार विशेषज्ञ, दर्द प्रबंधन विशेषज्ञ, गुर्दा रोग विशेषज्ञ, मूत्र रोग विशेषज्ञ, गठिया रोग विशेषज्ञ, मस्तिष्क एवं तंत्रिका तंत्र विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, क्षय रोग विशेषज्ञ, कैंसर रोग विशेषज्ञ तथा रेडियोथैरेपी विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। मरीजों को स्वास्थ्य परीक्षण के साथ आवश्यक परामर्श, उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन भी दिया गया।

बृजराज स्कूल में पालक-शिक्षक बैठक

महासमुंद। स्थानीय पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला बृजराज में 4 जुलाई को पालक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। बैठक में विद्यालय के प्रधान पाठक गोमती साहू ने पालकों का स्वागत करते हुए बच्चों को प्रतिदिन समय पर स्वच्छ गणवेश में नियमित रूप से विद्यालय भेजने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति उनके शैक्षणिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। बैठक में संकुल समन्वयक सुरेंद्र चंद्राकर ने शासन द्वारा विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली विभिन्न सुविधाओं, जैसे मध्यान्ह भोजन, निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें तथा पात्र विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति की जानकारी दी। साथ ही पालकों से बच्चों के लिए आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। शिक्षकों ने पालकों से अपील की कि वे प्रतिदिन कम से कम एक घंटे बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें, गृहकार्य की समीक्षा करें तथा विद्यालय में पढ़ाए गए विषयों पर बच्चों से चर्चा करें, जिससे उनके सीखने की गुणवत्ता में सुधार हो सके। बैठक में पालकों ने भी विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों पर अपने सुझाव दिए तथा बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण, एसएमसी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में पालक उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्य एवं विशिष्ट योगदान के लिए पाणिग्राही का सम्मान

महासमुंद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष 4399 पूर्ण करने पर भारतीय जनता पार्टी के निर्देशानुसार प्रबुद्धजनों के सम्मान की कड़ी में समाज सेवा, पर्यावरण, स्वच्छ भारत मिशन, एक पेड़ मां के नाम तथा अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर विशिष्ठ योगदान देने वाले डॉ विश्वनाथ पाणिग्राही का सम्मान किया गया।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष सुरेश नरेडिया, मंडल महामंत्री अतुल गंडेचा, युवा मोर्चा नारायण तांडी ने डॉ विश्वनाथ पाणिग्राही से गृह भेंटकर उनका कुशल क्षेम पूछा तथा समाज सेवा एवं राष्ट्र हित कार्यों में लंबे समय से सक्रिय रहने के लिए शाल श्रीफल से सम्मान किया। गौरतलब है डॉ पाणिग्राही विगत 25-30 वर्षों से समाज सेवा, पर्यावरण के क्षेत्र में सक्रिय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत देश को खुले में शौच मुक्त बनाने महासमुंद जिले में उत्कृष्ट कार्य किया। अन्य प्रदेशों में भी जागरूकता किया। प्रधानमंत्री मन की बात में सितंबर 2016 में स्थान मिला। मन की बात के 100 वीं कड़ी के स्पेशल स्क्रीनिंग कार्यक्रम में राजभवन रायपुर आमंत्रित किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान में व्यापक कार्य करने के लिए 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस 2025 दिल्ली कार्यक्रम के लिए छत्तीसगढ़ से सपरिवार 20 दंपत्तियों की चयन सूची में भी डॉ पाणिग्रही को सपत्नीक स्थान मिला। सम्मान मिलने पर डॉ पाणिग्राही ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आभार व्यक्त किया।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेज़र मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल
मैटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सर्जिकल हॉस्पिटल
उपलब्ध सुविधाएं
• गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श नार्मल एवं सीजेरियन डिलीवरी
• एवं बच्चेदानी का ऑपरेशन व नसबंदी
• सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT
• बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, हाईड्रोसील, सरकम सीजन की सुविधा
• आयुष्मान कार्ड और CSEB से कैशलेस उपचार,
• TPA की सुविधा
माँ और शिशु का विश्वास
डॉ. सी.पी.सिंह
(एमबीबीएस, एमडी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
डॉ. नीलिमा सिंह
(एमबीबीएस, डी.जी.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
9009553889, 9090204620
एकता नगर, अम्बेडकर चौक के पास, गुढ़ियारी रायपुर
ब्रांच : मातृ स्मृति मंगल बाजार, गायत्री मंदिर के सामने, गुढ़ियारी, रायपुर

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777
मूत्र रोग एवं सर्जरी
किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
यौन संबंधी समस्याएं
महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं
DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मनाई गई जयंती

महासमुंद। ग्राम खरोरा में भारत की अखंडता और एकात्मता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले प्रखर राष्ट्रवादी नेता एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई गई। इस दौरान कौशल्या चंद्राकर, भारती चंद्राकर, बबली चंद्राकर, दामिनी चंद्राकर रुपेश चंद्राकर, भूषण चंद्राकर मौजूद रहे।

काव्य गोष्ठी-बूंद झरे पात-पात कल

महासमुंद। नगर की साहित्य समिति आस्था के संयोजन में पावस पर केंद्रित काव्य गोष्ठी- बूंद झरे पात-पात का आयोजन 08 जुलाई को साहित्यकार व पूर्व प्राचार्य, डॉ. साधना कसार की अध्यक्षता में उनके निवास में संध्या 4 बजे किया गया है। इस आयोजन में प्रोफेसर डॉ. संजीव कर्माकर मुख्य अतिथि होंगे। आमंत्रित रचनाकार पावस के अतिरिक्त सामयिक विषयों पर कविता प्रस्तुत करेंगे। इस कार्यक्रम में समिति ने साहित्य प्रेमियों से उपस्थिति प्रदान करने का आग्रह किया है। यह जानकारी अध्यक्ष आनंद तिवारी पौराणिक ने दी है।

बारिश : अब किसान बोए गए धान के सड़ने की आशंका से चिंतित

36 घंटे से हो रही बारिश से खेत खलिहान, नदी-नाला जलमग्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नर्रा

आषाढ़ की पहली बारिश ने मचाई तबाही, 36 घंटे की अनवरत बारिश से खेत-खलिहान जलमग्न हुए। आसपास के क्षेत्रों में आषाढ़ की पहली ही बारिश ने लोगों का जनजीवन को अस्त व्यस्त और खेती-किसानी कार्य को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। बारिश के कारण क्षेत्र के नदी-नाले उफान पर हैं और किसानों के खेत-खलियान पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं। शुरुआती बारिश को देखकर जहां किसानों के चेहरे खिले थे, वहीं अब इस भारी जलभराव ने उनकी चिंता बढ़ा दी है। बताया जाता है कि कम से कम 60 प्रतिशत किसानो ने धान की बुआई कर चुके है। क्षेत्र में लगातार बारिश से खेत टापू बना। धान सड़ने का खतरा है। खेतों में लबालब पानी भर जाने के कारण अब किसानों को यह डर सताने लगा है कि उनकी बोई गई धान की फसल या रोपाई के लिए नर्सरी (थरहा) डाले गए धान बीज सड़ न जाए। लगातार पानी के तेज बहाव से खेतों की मेड़ें टूटने लगी हैं, जिससे खाद और बीज बह जाने का भी खतरा मंडरा रहा है। अगर पानी की निकासी जल्द नहीं हुई, तो किसानों की शुरुआती मेहनत और लागत पानी में डूब सकती है। लगातार 36 घंटे की बारिश से सुखे जोंक नदी और छोटे नाले तालाब लबालब हो गए। बरसात अभी तो शुरू हो रहा है। आषाढ़ माह की पहली बारिश ने खेतों के मेड़ पार को तोड़ दिया। स्थिति इतनी गंभीर है कि खेत और तालाब में फर्क करना मुश्किल हो गया है। जहां नज़र दौड़ाने पर केवल पानी ही पानी दिखाई दे रहा है।

किसानों को सता रहा है फसल सड़ने का डर

शुरुआती बारिश जहां फसलों के लिए अमृत मानी जा रही थी। वहीं अब लगातार 36 घंटे की बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। किसानों का कहना है कि अगर पानी खेतों में ज्यादा समय तक जमा रहा, तो उनकी मेहनत से लगाई गई धान की फसल पूरी तरह सड़ जाएगी। क्षेत्र के किसानों ने बताया कि उन्होंने बड़ी उम्मीदों के साथ इस बार बुवाई की थी, लेकिन अब खेतों में भी पानी भर गया है।

बरसते पानी में जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ करने वार्डों में पहुंचे नपाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

लगातार हो रही बारिश से महासमुंद नगर के विभिन्न वार्डों में जलभराव और नालियों के अवरुद्ध होने की सूचना पर नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू बरसते पानी में मैदान में उतर गए। उन्होंने शहर के जलजमाव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

नपाध्यक्ष ने पालिका कर्मचारियों के साथ जेसीबी लेकर महामाया मंदिर के सामने, सिविल लाइन, एकता चौक, गुलशन चौक, स्वामी चौक, ओवरब्रिज के नीचे, अयोध्या नगर, कुर्मीपारा एवं शारदा मंदिर के आसपास का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि कई स्थानों पर नालियों में कचरा और गाद जमा होने के कारण पानी की निकासी बाधित हो रही थी।

जहां पानी भर रहा था वहां निकासी के लिए रास्ता बनाया गया और अवरोधों को तत्काल हटवाया गया। स्वयं फावड़ा लेकर उन्होंने जाम नालियों की सफाई कराई, जिससे रुका हुआ पानी बाहर निकल सका और आम जनजीवन सामान्य हो सका। निचले इलाकों में जलभराव न हो इसके लिए विशेष व्यवस्था भी सुनिश्चित कराई गई।

अध्यक्ष ने पालिका कर्मचारियों को निर्देश दिए कि मानसून भर लगातार निगरानी रखी जाए। कहीं भी जलभराव या अवरोध की सूचना मिलते ही तुरंत टीम भेजकर समस्या का समाधान किया जाए, ताकि नागरिकों को असुविधा न हो। पानी में भीगते हुए स्वयं वार्डों में पैदल भ्रमण कर उन्होंने जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त कराया। जिसका नागरिकों ने खुले दिल से सराहना की है।

युवा अध्यक्ष का बरसात में बिना किसी औपचारिकता के जनता के बीच पहुंचकर स्वयं श्रम करना यह दर्शाता है कि वे सिर्फ आदेश देने वाले जनप्रतिनिधि नहीं, बल्कि जनता की पीड़ा को समझकर समाधान करने वाले सच्चे सेवक हैं। उनके इस जमीनी प्रयास से न केवल जल निकासी व्यवस्था बेहतर हुई है, बल्कि आम लोगों का पालिका प्रशासन पर भरोसा भी और अधिक मजबूत हुआ है।

मुखर्जी की जयंती पर विधायक ने किया माल्यार्पण, राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को किया याद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

- सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण का लिया संकल्प

महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने सोमवार को पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर टाउन हॉल स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण, राष्ट्रीय एकता एवं अखंड भारत के प्रति उनके अतुलनीय योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। विधायक सिन्हा ने कहा कि पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी केवल एक महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और दूरदर्शी राजनेता ही नहीं थे, बल्कि उन्होंने देश की एकता, अखंडता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनके विचार, आदर्श और राष्ट्रसेवा का भाव आज भी देश के करोड़ों युवाओं एवं जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी का स्पष्ट विश्वास था कि राष्ट्र सर्वोपरि है और देश की

एकता एवं अखंडता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जो संघर्ष किया, वह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में सदैव स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा। उनका त्याग, समर्पण और राष्ट्रभक्ति हम सभी के लिए अनुकरणीय है। आगे कहा कि आज आवश्यकता है कि हम सभी पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों एवं विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करें और समाज एवं राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही एक सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को साकार किया जा सकता है।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष येतराम साहू, कृषि एवं बीज विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, पूर्व विधायक डॉ विमल चोपड़ा, मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिका, मंडल महामंत्री अग्रज शर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, वरिष्ठ नेतागण एमआर विश्वनाथन, गोविंद ठाकुर, अरविंद प्रहरे, बंशी साहू, राजेंद्र चंद्राकर, नईम खान सहित अन्य उपस्थित थें।

संगठन को बूथ स्तर तक सुदृढ़ बनाने और किसान हितों के लिए कार्य करने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

भाजपा जिला कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की जिला परिचयात्मक एवं डिजिटल लर्निंग (डीएलपी) बैठक हुई। बैठक का शुभारंभ भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष पिलेश्वर पटेल के स्वागत भाषण एवं प्रस्तावना के साथ हुआ। तत्पश्चात उपस्थित अतिथियों द्वारा भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर बैठक का विधिवत शुभारंभ किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष येतराम साहू ने कार्यकर्ताओं से पार्टी द्वारा सौंपे गए दायित्वों का ईमानदारी, निष्ठा एवं समर्पण भाव से निर्वहन करने का आह्वान किया। पूर्व राज्यमंत्री पूनम चंद्राकर ने अपने उद्बोधन में संगठन में किसान मोर्चा की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए किसानों के बीच संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के जिला प्रभारी कैलाश पंडा ने संगठन की कार्यपद्धति, किसान मोर्चा की भूमिका, केंद्र एवं राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं तथा डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने तथा प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय एवं जवाबदेह भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, किसान हित से जुड़े विषयों, डिजिटल लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म के प्रभावी संचालन तथा सोशल मीडिया के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त तथा किसानों के हित में पूर्ण समर्पण एवं सक्रियता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक का समापन संगठन को बूथ स्तर तक सुदृढ़ बनाने तथा किसान हितों के लिए निरंतर कार्य करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष येतराम साहू, पूर्व राज्यमंत्री पूनम चंद्राकर, किसान मोर्चा प्रदेश मंत्री देवेंद्र ठाकुर, जिला सह प्रभारी गोविंद साहू, जिला महामंत्री थान सिंह दीवान, दुबेलाल साहू, मोगेश (पिंटू) चंद्राकर, भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष पिलेश्वर पटेल, जिला महामंत्री माधव साव, देवेंद्र चंद्राकर, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मनोज दास, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष रोहित नायक, धनेश नायक, वरिष्ठ भाजपा नेता आकाश चंद्राकर, किसान मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष रूपेश साहू, अधिवक्ता कमलेश कुमार टांडेय, जिला मीडिया प्रभारी हीरा साहू, सोशल मीडिया प्रभारी हरीश देवांगन आदि मौजूद रहे।

युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष ने जन्मदिन पर की सांसद से मुलाकात

महासमुंद। भारतीय जनता युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अमन वर्मा ने क्षेत्रीय सांसद रूपकुमारी चौधरी के जन्मदिन पर उन्हें गजमाला भेंट की। युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अमन वर्मा ने कहा कि सांसद रूपकुमारी चौधरी के कुशल मार्गदर्शन में हमारे क्षेत्र ने विकास के नए आयामों को छुआ है। युवाओं के प्रति उनका स्नेह और क्षेत्र की जनता के प्रति उनका समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। वे न केवल एक जनप्रतिनिधि हैं, बल्कि हर वर्ग के सुख-दुख के साथी हैं। युवाओं में भारी उत्साह, बांटी गई मिठाइयां। इस अवसर पर बसना स्थित अग्रसेन भवन में विशाल सांसद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें हजारों की संख्या में लोग स्वास्थ्य जांच करवाकर लाभांवित हुए। सांसद के जन्मदिन को लेकर युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा पौधरोपण भी किया गया। मंगल भवन बसना में जन्मदिन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया।